
मनसा सेवा - 39

➤➤ ***4 प्रकार की सेवा*** कौन कौन सी है ?

➤➤ ***स्व*** सेवा :- ***स्वयं को संपन्न और सम्पूर्ण*** बनाने का अटेंशन और चेकिंग

➤➤ ***यज्ञ*** सेवा :- तन द्वारा की गयी ***स्थूल सेवा***

➤➤ ***विश्व*** सेवा :- अनेक प्रकार के ***साधनों , वाणी या सम्बन्ध संपर्क*** द्वारा की गयी सेवा

➤➤ ***मनसा*** सेवा :- ***शुभ भावना , श्रेष्ठ कामना , शुभ वृत्ति , श्रेष्ठ वाइब्रेशन*** द्वारा की गयी सेवा से एक स्थान पर रहते हुए भी अनेकों की सेवा अर्थ निमित्त बनना... इस सेवा में किसी स्थूल साधन , चांस व समय की कोई प्रॉब्लम नहीं है

➤➤ ***मनमनाभव*** के क्या क्या अर्थ है ?

- ➤ _ ➤ ➤ मन बाबा की ***लगन में मगन*** रहे
 - ➤ _ ➤ ➤ ***ज्ञान बिन्दुओं*** का मनन करना
 - ➤ _ ➤ ➤ स्वयं को ***आत्मा समझ परमात्मा को याद*** करना
 - ➤ _ ➤ ➤ ***अशरीरी*** अवस्था का अनुभव करना
 - ➤ _ ➤ ➤ ***कंबाईड*** स्वरूप का अनुभव
 - ➤ _ ➤ ➤ ***स्वीट होम*** में स्वयं को लम्बे समय तक एकाग्रचित करना
-

➤ ➤ मनसा सेवा के लिए ***क्या आवश्यक*** है ?

- ➤ _ ➤ ➤ मन और बुधी ***व्यर्थ से मुक्त***
 - ➤ _ ➤ ➤ ***मनमनाभव*** के मन्त्र का स्वरूप
 - ➤ _ ➤ ➤ ***लाइट हाउस माईट*** हाउस बनना
 - ➤ _ ➤ ➤ शक्तियों का ***खजाना*** जमा
-

➤ ➤ ***शारीरिक बीमारी*** के समय हम क्या कर सकते हैं ?

➤ ➤ ➤ निरंतर *मनन चिंतन*

➤ ➤ ➤ *डॉक्टरस को बाबा का परिचय* देना

➤ ➤ ➤ विश्व की *मनसा सेवा*

➤ ➤ सेवा में *अधिक मार्क्स* जमा करने की क्या विधि है ?

➤ ➤ ➤ *चारों प्रकार की सेवा* करना

➤ ➤ ➤ 24 घंटे स्वयं को किसी न किसी सेवा में बिजी रख *निरंतर सेवाधारी* बनकर रहना

➤ ➤ मन बुधी को बिजी किस प्रकार से *बिजी* रखें ?

➤ ➤ ➤ बाबा के *गीत सुनिए*

➤ ➤ ➤ *स्वमान का अभ्यास* मन ही मन दोहराकर और लिखकर

➤ ➤ ➤ अपने आस पास के *वातावरण और वस्तुओं को व्यवस्थित* कर

➤ ➤ ➤ भिन्न भिन्न विषयों पर *मनन चिंतन* कर
